

गोही पुं. (देश.) 1. दुराव-छिपाव 2. छुपी हुई बात, गुप्तवार्ता।

गोहेरा पुं. (तद्.) बिसखोपरा नामक विषैला जंतु।

गौजिक पुं. (तत्.) 1. स्वर्णकार 2. जौहरी।

गौंहा पुं. (तद्.) गाँव सम्बन्धी, गांव का, देहाती।

गौ पुं. (तत्.) गाय स्त्री. (तत्.) 1. प्रयोजन सिद्ध होने का स्थान या अवसर, सुयोग, मौका, घात, दांव, गौ घात-उपयुक्त अवसर, मौका मुहा. गौं गाठना- अपना मतलब निकालना, स्वार्थ साधना; गौ निकालना- काम निकालना, गौं पड़ना- काम पड़ना 3. ढब, चाल।

गौगा पुं. (तद्.) 1. शोर-गुल 2. जन श्रुति, अफवाह।

गौट पुं. (देश.) एक प्रकार का छोटा वृक्ष।

गौड़ पुं. (तत्.) 1. वंग देश का एक प्राचीन विभाग, जो किसी के मत से मध्य बंगाल से उड़ीसा की उत्तरी सीमा तक और किसी के मत से वर्तमान बर्दवान के आसपास था विशेष. कूर्मपुराण आदिलिंग पुराण से जाना जाता है कि वर्तमान गोंडा के आसपास का प्रदेश, जिसकी राजधानी श्रावस्ती थी, गोंड प्रदेश कहलाता था, कौशाम्बी को भी इसी प्रदेश के अंतर्गत लिखा है 2. स्कन्द पुराण में लिखा है ब्राह्मणों की एक कोटि जिसमें सारस्वत, कान्यकुब्ज, उत्कल, मैथिल और गौड़ सम्मिलित हैं 3. ब्राह्मणों की एक जाति जो पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दिल्ली के आसपास तथा राजपूताने में पाई जाती है 4. गौड़ प्रदेश का निवासी 5. 36 प्रकार के राजपूतों में से एक जो उत्तर पश्चिम भारत में अधिकता से पाए जाते हैं 6. राजतरंगिणी में पंच गोंड शब्द आया है जिससे जान पड़ता है कि किसी समय पांच गोंड प्रदेश थे 7. दसवीं और ग्यारहवीं शताब्दी के चेदिराजाओं के ताम्रपत्रों आदि शिलालेखों से पता चलता है कि वर्तमान गोंडवाना के पास का देश भी गोंड कहलाता है।

गौड़नट पुं. (तत्.) संगीत में गौड़ और नट के योग से बना हुआ एक संकर राग।

गौड़पाद पुं. (तत्.) स्वामी शंकराचार्य के गुरु थे जिन्होंने मांडूक्योपनिषद् पर कारिका लिखी थी और सायव्य कारिका का भाष्य लिया था।

गौड़िक पुं. (तत्.) 1. गुड़ से संबंधित 2. गुड़आ।

गौड़िया पुं. (तद्.) 1. गौड़ देश का, गौड़ देश से संबंधित 2. गौड़िया संप्रदाय-चैतन्य महाप्रभु का चलाया हुआ वैष्णव संप्रदाय।

गौड़ी पुं. (तत्.) एक प्रकार की मदिरा जो गुड़ से बनती है, वैधक में इसे वात और पित्तनाशक, बल और कांतिवर्द्धक और रुचिकर कहा है 2. काव्य में एक प्रकार की वृत्ति जिसे परुषा भी कहते हैं, यह ओजगुण प्रधान होती है इसमें 'टवर्ग' और संयुक्त अक्षर अथवा समास अधिक आते हैं, विशेष: कुछ लोग इसे कल्याण राग का एक भेद मानते हैं, यह वीर और शृंगार रस के वर्णन के लिए बहुत उपयुक्त होती है।

गौड़ीय पुं. (तत्.) गौड़ देश का व्यक्ति।

गौड़ीय भाषा स्त्री. (तत्.) बँगला भाषा।

गौड़ेश्वर पुं. (तत्.) कृष्ण चैतन्य स्वामी जिन्हें गौरांग महाप्रभु भी कहते हैं।

गौण पुं. (तत्.) 1. जो प्रधान या मुख्य न हो 2. सहायक, संचारी 3. गुण संबंधी।

गौणिक वि. (तत्.) जिससे वाच्य का गुण प्रकाशित हो, गुणद्योतक 2. सत्, रज, तम आदि गुणों से संबंध रखनेवाला 3. गुणी 4. एक प्रकार के बोरे या गौण से संबंध रखनेवाला।

गौणी स्त्री. (तत्.) अप्रधान, साधारण जो मुख्य न हो।

गौतम पुं. (तत्.) 1. गौतम ऋषि के वंशज 2. न्यायशास्त्र के प्रसिद्ध आचार्य और प्रणेता एक ऋषि टि. ये ईसा से प्रायः 600 वर्ष पूर्व हुए थे 3. रामायण, महाभारत और पुराणों आदि के अनुसार एक ऋषि टि. इन्होंने अपनी स्त्री अहिल्या को इंद्र के साथ अनुचित संबंध रखने के संदेह के कारण शाप दे कर पत्थर बना दिया था, जिसका उद्धार भगवान राम ने किया था 4. बुद्धदेव का नाम 5. एक पर्वत का नाम 6. सप्तर्षिमंडल के